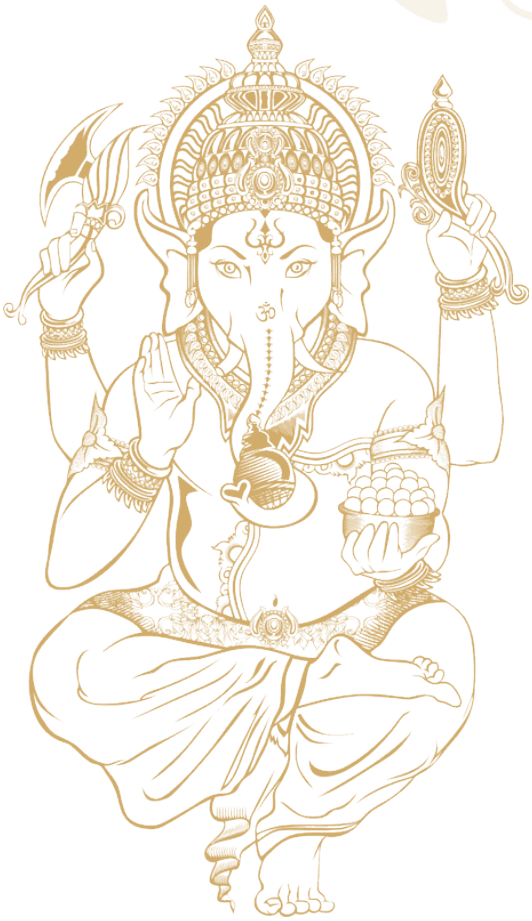

Gurwinder

Rajvinder kaur

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119012801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119012801 Date: 08/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/12/1989	जन्म तिथि	30/12/1992
शुक्र-शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 04:00:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 52:21:38	जन्म समय(घटी)	27:15:41 घटी
India	देश	United Kingdom
Patiala	स्थान	Birmingham
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	52:30:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	01:50:00 पश्चिम
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	00:00:00 पश्चिम
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:07:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:20	सूर्योदय	08:18:19
17:23:25	सूर्यास्त	16:02:07
23:43:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:51
तुला	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
धनु	राशि	मीन
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
पूर्वाषाढ़ा	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	4
गण्ड	योग	व्यतिपात
वणिज	करण	गर
ढा-ढालचंद	जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
वानर	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 0वर्ष 9मा 30दि		06:13:13	तुला	लग्न	कर्क	11:43:22	गुरु 3वर्ष 6मा 26दि	
राहु		16:00:08	वृश्चि	सूर्य	धनु	15:33:32	बुध	
01/10/2013		26:06:43	धनु	चंद्र	मीन	00:21:22	28/07/2015	
02/10/2031		25:03:05	तुला	मंगलव	मिथु	27:07:55	27/07/2032	
राहु	14/06/2016	27:39:29	वृश्चि	बुध	धनु	01:54:37	बुध	24/12/2017
गुरु	07/11/2018	15:18:03	मिथु व	गुरु	कन्या	19:36:51	केतु	21/12/2018
शनि	13/09/2021	00:33:41	मक	शुक्र	कुंभ	01:32:00	शुक्र	21/10/2021
बुध	02/04/2024	18:27:56	धनु	शनि	मक	22:27:25	सूर्य	27/08/2022
केतु	20/04/2025	25:06:20	मक व	राहु व	वृश्चि	27:34:05	चन्द्र	27/01/2024
शुक्र	20/04/2028	25:06:20	कर्क व	केतु व	वृष	27:34:05	मंगल	23/01/2025
सूर्य	15/03/2029	10:15:42	धनु	हर्ष	धनु	23:49:55	राहु	12/08/2027
चन्द्र	13/09/2030	17:12:30	धनु	नेप	धनु	24:32:43	गुरु	17/11/2029
मंगल	02/10/2031	22:21:32	तुला	प्लूटो	वृश्चि	00:48:14	शनि	27/07/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:43:08 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:51

लग्न-चलित

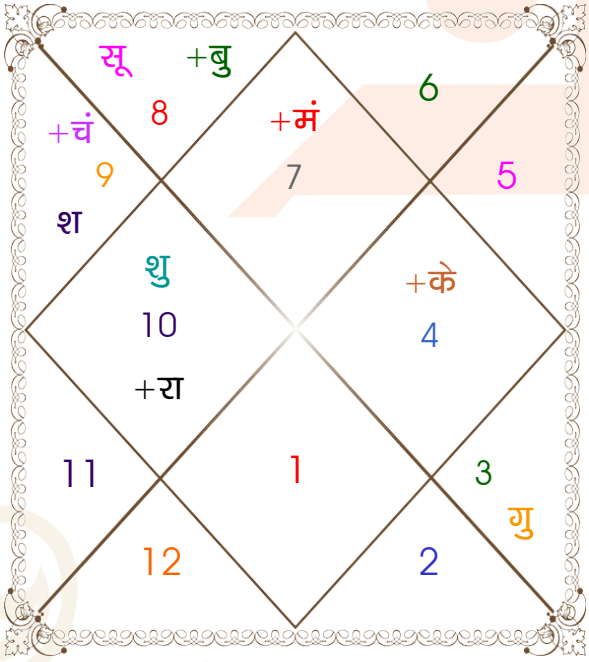

लग्न-चलित

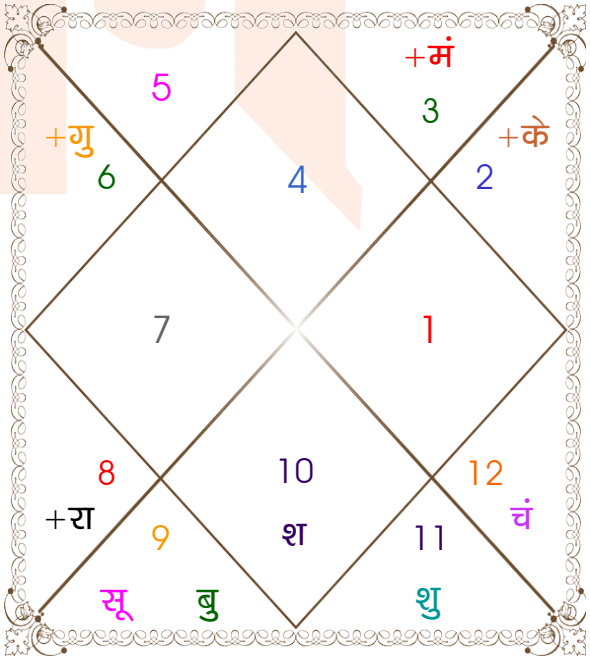

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

कुल : **30.5 / 36**

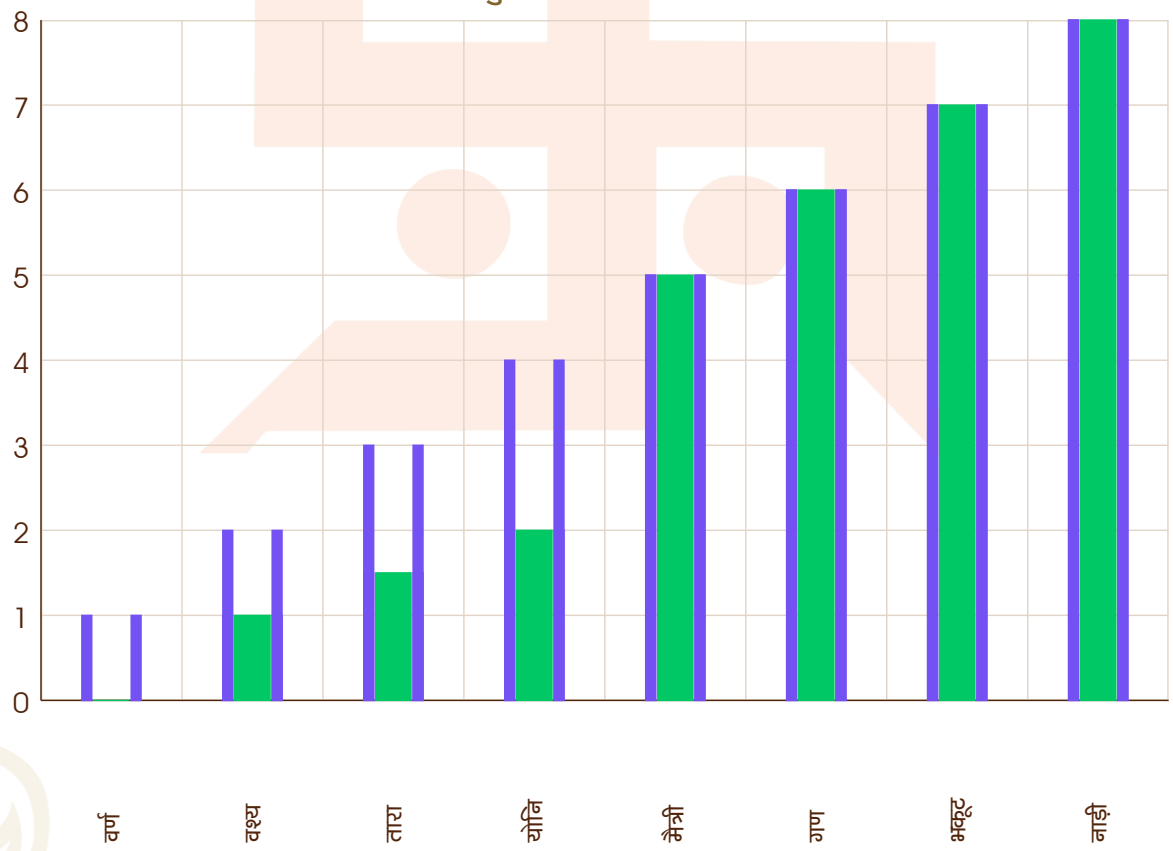

अष्टकूट मिलान

ळनतूपदकमत का वर्ग श्वान है तथा Rajvinder kaur का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ळनतूपदकमत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Rajvinder kaur मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rajvinder kaur कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ळनतूपदकमत कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळनतूपदकमत तथा Rajvinder kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ळनतूपदकमत का वर्ण क्षत्रिय तथा Rajvinder kaur का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Rajvinder kaur हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना ळनतूपदकमत एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

ळनतूपदकमत का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Rajvinder kaur का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। ळनतूपदकमत एवं Rajvinder kaur दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में ळनतूपदकमत एवं Rajvinder kaur दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

ळनतूपदकमत की तारा प्रत्यरि तथा Rajvinder kaur की तारा साधक है। ळनतूपदकमत की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत ळनतूपदकमत कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Rajvinder kaur को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

ळनतूपदकमत की योनि वानर है तथा Rajvinder kaur की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो

सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ळनतूपदकमत एवं Rajvinder kaur दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ळनतूपदकमत एवं Rajvinder kaur दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

ळनतूपदकमत का गण मनुष्य तथा Rajvinder kaur का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। ं तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

ळनतूपदकमत से Rajvinder kaur की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Rajvinder kaur से ळनतूपदकमत की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ळनतूपदकमत परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Rajvinder kaur घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

ळनतूपदकमत की नाड़ी मध्य है तथा Rajvinder kaur की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ळनतूपदकमत की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Rajvinder kaur की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। अग्नि एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur के दाम्पत्य संबंधों में अनुकूलता सामंजस्य तथा बुद्धिमता से ही होगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख भी प्राप्त होगा। अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मित्रता पूर्ण संबध रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे संबधों में मधुरता बनी रहेगी। ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur सुख दुख के समय पर एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। अतः वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur का परस्पर सम्मान जनक व्यवहार रहेगा तथा एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण रूप से स्वीकार करके परस्पर व्यवहार करेंगे। अपनी इस प्रवृति से जीवन में समस्त सुखों का उपभोग करेंगे तथा परिवार में शांति तथा सदभावना का वातावरण भी बना रहेगा। साथ ही अपने समस्त सांसारिक कार्यो को परस्पर सलाह तथा बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे एवं मतभेद उत्पन्न होने पर सामंजस्य स्थापित करेंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

ळनतूपदकमत का वश्य चतुष्पद एवं Rajvinder kaur का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur की अभिरूचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

ळनतूपदकमत का वर्ण क्षत्रिय तथा Rajvinder kaur का वर्ण ब्राह्मण है अतः ळनतूपदकमत की प्रवृति परिश्रमी पराकमी तथा साहसिक कार्यो में रहेगी जबकि Rajvinder kaur धार्मिक शैक्षणिक तथा सत्कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी। अतः इनका कार्य क्षेत्र सामान्यतया सुदृढ़ ही रहेगा।

धन

ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने

में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Rajvinder kaur पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

ळनतूपदकमत की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

ळनतूपदकमत की नाड़ी मध्य तथा Rajvinder kaur की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके ऊपर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मूत्र रोग संबंधी परेशानी भी रहेगी। साथ ही ळनतूपदकमत भी हृदय संबधी रोग से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा काम क्रियाओं में भी शिथिलता की अनुभूति करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की अल्पता आएगी। Rajvinder kaur भी यदा कदा काम संबंधों में उदासीनता का परिचय देंगी। अतः उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता करने के लिए ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के व्रत रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Rajvinder kaur के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Rajvinder kaur को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

ळनतूपदकमत और Rajvinder kaur बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः ळनतूपदकमत और त्ंरअपदकमत

ांनत का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Rajvinder kaur के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Rajvinder kaur धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Rajvinder kaur के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Rajvinder kaur का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Rajvinder kaur से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

ळनतूपदकमत के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में ळनतूपदकमत के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण ळनतूपदकमत के प्रति सामान्य ही रहेगा।